## II. आय विधि या उत्पादन प्रक्रिया में साधन आय
## (Income Method or Factor Income in the Production Process)

उत्पादन के साधन, उत्पादन मे योगदान इसलिए देते है क्योंकि उन्हें इनके लिए पुरस्कार मिलता है। उत्पादन के साधनों द्वारा अर्जित इस प्रकार का पुरस्कार **'साधनों की आय'** (Income of Factors) कहलाता है। दूसरे शब्दों में, आय विधि के अनुसार उत्पादन के विभिन्न साधनों के द्वारा उत्पादन में उनकी सेवाओं के प्रतिफलस्वरूप मिलने वाले भुगतान अर्थात् साधनों की आय का योग करते है। इस योगफल को घरेलू आय कहते है। यदि इस योग में **विदेशों से अर्जित शुद्ध आय** जोड़ दें तो राष्ट्रीय आय बन जाती है। संक्षेप में, **राष्ट्रीय आय** = मजदूरी + लगान + ब्याज + लाभांश + अवितरित लाभ + निगम लाभ कर + सार्वजनिक क्षेत्र का अधिशेष + मिश्रित आय + विदेशो से अर्जित शुद्ध आय।

इस विधि को वर्गीकृत कार्यों के अनुसार विधि (Distributed Share Method) या साधन भुगतान विधि (Factor Payment Method) भी कहा जाता है।

**परिभाषा** (Definition)—"आय विधि वह विधि है जो एक लेखा वर्ष में उत्पादन के साधनों (श्रम, पूँजी, भूमि व उद्यम) को उसकी उत्पादक सेवाओं के बदले में क्रमशः मजदूरी, लगान, ब्याज तथा लाभ के रूप में किये गये भुगतान की गणना करके राष्ट्रीय आय की माप करती है।"

**आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने के कदम** (Steps in Estimation of National Income using Income Method)—आय विधि के द्वारा राष्ट्रीय आय ज्ञात करने के निम्नलिखित कदम हैं :

**पहला कदम** (First Step)—**साधन आय का वर्गीकरण** (Classification of Factor-Income)—साधन आय को मुख्य रूप से निम्नलिखित भागों में बाँट लिया जाता है :

(1) **कर्मचारियों का पारिश्रमिक** (Compensation of Employees)—इसके अन्तर्गत (i) मजदूरी तथा वेतन, (ii) किस्म के रूप में आय (Payment in Kind) तथा (iii) सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में मालिकों के योगदान को शामिल किया जाता है।

(2) **परिचालन अधिशेष** (Operating Surplus)—इसके अन्तर्गत सम्पत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय को शामिल किया जाता है। यह अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों अर्थात् निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र दोनों के ही उद्यमों में उत्पन्न होता है, परन्तु सामान्य सरकारी क्षेत्र में परिचालन अधिशेष उत्पन्न नहीं होता। परिचालन अधिशेष में निम्नलिखित मदें शामिल की जाती है :

(i) लगान, (ii) ब्याज, (iii) लाभ (लाभांश + निगम कर + उद्यमों की बचत या अवितरित लाभ)।

(3) **मिश्रित आय** (Mixed Income)—स्वनियोजित आय को मिश्रित आय कहते हैं। वह व्यक्ति जो एक ओर साधन सेवाएँ प्रदान करते हैं और दूसरी ओर, स्वयं ही वस्तुओं का उत्पादन करते है, मिश्रित आय

Scanned by CamScanner

प्राप्त करते है। एकाकी उत्पादन इकाइयों द्वारा अर्जित आय; जैसे—दुकानदार, वकील, डॉक्टर, बढ़ई तथा कृषक आदि की आय मिश्रित आय या स्वनियोजित आय कहलाती है। मिश्रित आय के अन्तर्गत कृषि कार्य, स्वामित्व से आय तथा पेशेवर आय लेते है। मिश्रित आय राष्ट्रीय आय की गणना करते समय अवश्य शामिल की जाती है।

उपरोक्त तीनों मदो से प्राप्त आय जोड़कर शुद्ध घरेलू आय का अनुमान लगाया जाता है अर्थात्

| शुद्ध घरेलू आय = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + परिचालन अधिशेष + मिश्रित आय। |
|---|

(4) **विदेशों से शुद्ध साधन आय** (Net Factor Income from Abroad)—किसी भी अर्थव्यवस्था के कुल आयात और निर्यात के अन्तर को विदेशी शुद्ध परिसम्पत्ति आय कहते है। इसे शुद्ध निर्यात भी कहते है। मोटे तौर पर विदेशों में निम्नलिखित भौतिक और अभौतिक वस्तुओं का निर्यात किया जाता है—(i) स्वदेश से विदेश में जनशक्ति तथा मौलिक वस्तुएँ पहुँचाना। (ii) पर्यटकों द्वारा ऐतिहासिक एवं अन्य आकर्षक भवनों को देखने के लिए विदेशो से स्वदेश में आना। (iii) बैंकों और बीमा कम्पनियों द्वारा सहायताएँ उपलब्ध करवाना।

शुद्ध विदेशी साधन आय को शुद्ध घरेलू आय में जोड़कर राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाया जाता है अर्थात्

| **राष्ट्रीय आय** = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + परिचालन अधिशेष + मिश्रित आय + शेष संसार से शुद्ध साधन आय। |
|---|

**दूसरा कदम** (Second Step)—**साधन आय का अनुमान** (Estimation of Factor Income)—एक उद्योग के सभी उत्पादकों द्वारा भुगतान की गई साधन आय को जोड़कर उस उद्योग की कुल आय मालूम की जाती है और अर्थव्यवस्था के सभी उद्योगों द्वारा भुगतान की गई आय को जोड़कर शुद्ध घरेलू आय प्राप्त की जाती है।

**शुद्ध घरेलू आय** (Net Domestic Income) में उचित परिवर्तन करके राष्ट्रीय उत्पाद की शेष अवधारणाएँ ज्ञात की जा सकती है जैसा निम्न चित्र द्वारा समझाया गया है :

**आय विधि**
**(Income Method)**

↓

(1) कर्मचारियों का पारिश्रमिक
(2) परिचालन अधिशेष
(3) स्वनियोजितों की मिश्रित आय

↓

शुद्ध घरेलू आय (Net Domestic Income)

(+)

विदेशों से शुद्ध साधन आय

↓

राष्ट्रीय आय (National Income)

(+)

मूल्य ह्रास

↓

साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद ($GDP_{FC}$)

(+)

शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

↓

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद ($GNP_{MP}$)

**नोट**—(1) आय विधि में आय का अनुमान साधनों की आय के अनुसार लगाया जाता है अतः साधन लागत में **शुद्ध अप्रत्यक्ष कर** जोड़ दिया जाय तो **बाजार कीमत** पर राष्ट्रीय उत्पाद का मूल्य ज्ञात किया जा सकता है।

(2) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर = अप्रत्यक्ष कर – आर्थिक सहायता

Scanned by CamScanner

**आय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय के अनुमान में न सम्मिलित होने वाली मदें (Items not to be Included in Estimation of National Income by Income Method)**—आय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाते समय निम्नलिखित **आयों को सम्मिलित नहीं किया जाता** :

(i) पुरानी वस्तुओं के विक्रय से प्राप्त आय,

(ii) गैर-कानूनी आय; जैसे—तस्करों, जमाखोरों, कर प्रवंचकों से प्राप्त आय,

(iii) आकस्मिक आय; जैसे—लॉटरी से आय,

(iv) सभी हस्तान्तरण भुगतान,

(v) मृत्यु-कर, उपहार-कर, सम्पत्ति-कर आदि से प्राप्त आय।

**महत्व** (Significance)—इस रीति का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे समाज में विभिन्न वर्गों में आय-वितरण का पता लगता है और दोहरी गणना की सम्भावना बहुत कम रहती है, परन्तु करोड़ों लोगों की आय का अनुमान लगाना अत्यन्त कठिन हो जाता है, विशेषकर उस समय जब आय वस्तुओं और सेवाओं के रूप में प्राप्त होती है। भारत जैसे देश में जहाँ अधिकांश लोग आय का ठीक-ठीक हिसाब नहीं रखते, यह विधि उपयुक्त नहीं हो सकती है।

**उदाहरण** 4—निम्नलिखित आँकड़ों की सहायता से आय विधि द्वारा (1) शुद्ध घरेलू आय, (2) सकल घरेलू आय, (3) शुद्ध राष्ट्रीय आय, (4) बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद ज्ञात करो : (₹ करोड़)

(1) अप्रत्यक्ष कर 3,000, (2) आर्थिक सहायता 600, (3) स्वरोजगार की मिश्रित आय 9,000, (4) मूल्य ह्रास 500, (5) परिचालन अधिशेष 3,000, (6) विदेशों से शुद्ध साधन आय 100, (7) कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति 8,000।

**हल**—(1) **शुद्ध घरेलू आय** (NDI) = स्वरोजगार की मिश्रित आय + परिचालन अधिशेष + कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति

= ₹ 9,000 करोड़ + ₹ 3,000 करोड़ + ₹ 8,000 करोड़

= ₹ 20,000 करोड़

(2) **सकल घरेलू आय** (GDI) = शुद्ध घरेलू आय + मूल्य ह्रास

= ₹ 20,000 करोड़ + ₹ 500 करोड़

= ₹ 20,500 करोड़

(3) **शुद्ध राष्ट्रीय आय** (NI) = शुद्ध घरेलू आय + विदेशों से शुद्ध साधन आय

= ₹ 20,000 करोड़ + (–) ₹ 100 करोड़

= ₹ 19,900 करोड़

(4) **बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद** ($NNP_{MP}$) = शुद्ध राष्ट्रीय आय + अप्रत्यक्ष कर – आर्थिक सहायता

= ₹ 19,900 करोड़ + ₹ 3,000 करोड़ – ₹ 600 करोड़

= ₹ 22,300 करोड़

Scanned by CamScanner